



## डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०) DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

### अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

# कौशल विकास पर आधारित है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग और इन्हुंने अध्ययन केंद्र अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का अवध विवि आयोजन किया गया। राष्ट्रीय में सेमिनार शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि स्टेट डायरेक्टर खादी एवं चुनौतियों को नीति का आयोजन का आयोजन



अवध विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग का स्वागत करते विभागाध्यक्ष। संवाद

में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख हो चुके हैं। इन्हूंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। वर्ष 2016

रोहित सिंह, डॉ आशुतोष पाण्डेय, डॉ श्रीश अस्थाना, डॉ महेन्द्र पाल सिंह, डॉ अंशुमान कीर्ति विक्रम सिंह, प्रौद्योगिकी विभाग के नवाचार के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ शैलेन्द्र वर्मा, डॉ राना शैलेन्द्र वर्मा, डॉ मनोरमा सिंह ने कहा कि आदि मौजूद रहे।

# स्वतंत्र भारत

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 09

## उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इन्हुंने अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ० नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उत्तरण को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में



हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकिरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस

अवसर पर डॉ० राना रोहित सिंह इन्हुंने अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ० आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रामजीत यादव, डॉ० आशीष पटेल, डॉ० निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ० कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ० प्रवीण राय, डॉ० प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# दैनिक जागरण

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

## डा. विनोद वने पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष

संस्‌, अयोध्या: डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर व प्रख्यात विज्ञानी डा. विनोद चौधरी को विभाग का नया विभागाध्यक्ष बनाया गया। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने निर्देश के बाद कुलसचिव डा. अंजनी कुमार मिश्र ने नियुक्ति पत्र जारी किया। डा. चौधरी को तीन वर्ष के लिए विभागाध्यक्ष पद पर तैनात किया गया है। अभी तक विभागाध्यक्ष रहे प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद डा. चौधरी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। डा. चौधरी के दो शोध पेटेंट हो चुके हैं। प्रख्यात पर्यावरण विज्ञानी प्रो. जसवंत सिंह ने उन्हें बधाई दी। साथ ही विवि के अन्य शिक्षकों ने भी डा. विनोद को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।



अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के नये विभागाध्यक्ष डा. विनोद चौधरी (बाएं से पहले) के नियुक्ति पत्र के साथ निवर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला (मध्य में) व प्रख्यात विज्ञानी प्रो. जसवंत सिंह (बाएं से पहले) ● जागरण

# वॉयस ऑफ लखनऊ

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित: डॉ. नितेश धवन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इन्हुंने अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता



हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकिरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इन्हुंने क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होंने

एन०इ०पी० में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैच ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने ऐकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम०बी०ए० एवं समन्वयक इन्हुंने अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो० हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# बस्ती की पुकार

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

‘बस्ती की पुकार’ हिन्दी दैनिक

बस्ती, रविवार 30 जुलाई 2023

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित :- डॉ० नितेश धन

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा: वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

### बस्ती की पुकार हिन्दी दैनिक

अयोध्या :— डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विद्यावालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इन्हुं अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अधिकारी डॉ० नितेश धन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामीणग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में



बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या लैब की उपयोगिता के बारे में हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामीणग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुविधा हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकिरिंग

के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होंने एनर्हॉली० में किये गये आशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिप्लोमा करने पर सर्टिफिकेट कोसं, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक रूपों को बढ़ाने पर बल दिया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम०बी०ए० एवं समन्वयक इन्हुं अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्र० हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही

करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इन्हुं क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इन्हुं द्वारा बदलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया।

कार्यक्रम का सचालन विभाग के प्र०० शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ० राना रोहित सिंह इन्हुं अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ० अशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० अशुमान पाठक, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रामजीत यादव, डॉ० आशीष पटेल, डॉ० निमिष मिश्र, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ० कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ० प्रवीण राय, डॉ० प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित :डॉ. नितेश धवन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं दुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर हुआ सेमिनार

अयोध्या। डॉ. रामनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इनून् अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं दुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. नितेश धवन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उत्तराधिकार के जरिए कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके हैं। सेमिनार में उद्देश्य विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सब्सिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया

पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकिरिंग लैंब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इनून् क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ.

है। साथ ही उद्देश्य एन०५००० में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक

अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद जापित करते हुए इनून् क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इनून् द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ० गना रोहिंत सिंह इनून् अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ० आशुमोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० राजेश कुमार, डॉ० रामजीत यादव, डॉ० आशीष पटेल, डॉ० निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ० कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ० प्रवीण राय, डॉ० प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए

साथ दो डिप्पी प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिल्लोमा करते हुए अपने ऐकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम०बी०ए० एवं समन्वयक इनून् अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो० हिमांशु शेखर सिंह ने

# राष्ट्रीय सहारा

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 03

## कौशल विकास व नवाचार पर आधारित है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

### सेमिनार

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप व उद्यमिता को भिलेगा बढ़ावा

वर्ष 2016 में देश में 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख तक पहुंचे

अध्येता (एसएनबी) डॉ. रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इन्होंने अध्ययन केंद्र अध्ययन के संबंध तथाचार में ग्राहीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चौनीतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका को खोज विषय पर एवं दिव्यांश सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य अधिकारी डॉ. नितेश धवन स्टेट डायरेक्टर खानदी एवं ग्रामीण आयोग लखनऊ ने कहा कि ग्रामीण शिक्षा नीति-2020 के जरूर सभी संस्कृत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मध्य स्पष्ट से स्पष्ट एवं गणान्वक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कौशल औतराल एवं बेरोज़गारी उद्ययन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की



मुख्य अधिकारी का स्नानत करते एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. शिवांग शेखर।

संख्या में हो चके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को टिकरिंग लैंप की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में नीट स्पॉकर के स्लॉम में इन क्षेत्रीय एवं ग्रामीण सेवाओं की सलभता हुई किये जाने वाली प्रक्रिया को कार्यालय लखनऊ में वैष्णव धर्मीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने कहा कि ग्रामीण शिक्षा नीति-2020 का सभी उपयोग छात्रों को अपनी सुविधा के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं

उद्यमिता उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। सब्द ही उन्होंने एहसास में किये गये अधिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं योगित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेड्मिक वैक ऑफ क्रोडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिप्रोग्राम करने एवं सटीकरेट कार्स, डिलाइमा करते हुए अपने एकेड्मिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एमबीए एवं समन्वयक इनू अध्ययन केंद्र प्रो. शिवांग शेखर सिंह ने अंतिमियों का स्वाक्षरता करते हुए सेमिनार को पूर्णभूषित प्रकाश डालते हुए छात्रों को अंतिमियों के व्याख्यान से लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में घटनाव जापित करते हुए इनू सेविय कार्यालय लखनऊ के सहायक धर्मीय निदेशक डॉ. कर्तिं विक्रम सिंह ने अंतिमियों का आपार प्रक्रिया का सचालन विभाग के प्री. शीलेंद्र कमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. रामनोहर लोहिया अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ. अशोक कमार पाठेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. महेंद्र पाल सिंह, डॉ. अश्वमन पाठक, डॉ. रवेश कमार, डॉ. रमेश तिवारी, डॉ. आशीष पंडेल, डॉ. निशिय मिश्र, अमरगंग तिवारी, जलियास कमार, डॉ. कपिलदेव, नवनीत श्रीवास्तव, डॉ. प्रवीण राय, डॉ. प्रियंका सिंह व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

# कुटुंब जागरण

दिनांक: 30 जुलाई, 2023

पृष्ठ संख्या: 04

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित: डा. नितेश ध्वन

नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा: वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक

### कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉड नितेश ध्वन, स्टेट डायरेक्टर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अन्तराल एवं बेरोजगारी उन्नयन को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सभिडी एवं ग्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने



वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु अटल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया। सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉड मनोरमा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को

विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होंने एनदॉइनीटीड में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियांत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में एकेडमिक बैक अशफ क्रोडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिप्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने एकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एमदब्बीद्देह्न एवं

समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र अयोध्या प्रोफ़ हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छात्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉड कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इग्नू द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रोफ़ शैलेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉड राना रोहित सिंह इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉड आशुतोष कुमार पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी डॉड श्रीश अस्थाना, डॉ महेन्द्र पाल सिंह, डॉ अंशुमान पाठक, डॉ राजेश कुमार, डॉ रामजीत यादव, डॉ आशीष पटेल, डॉ निमिष मिश्रा, अनुराग तिवारी, जूलियस कुमार, डॉ कपिल देव, नवनीत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।